10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित

◆ वर्ष- 37 ◆ अंक - 74◆ मुंबई, शुक्रवार, 22 जनवरी, 2021 ◆ मूल्य : 1 रु. ◆ पृष्ठ : 4 ◆ PRN.NO.MH/MCE/95/2018-2020

web : www.nirbhaypathik.in
Email : nirbhaypathik@gmail.com

निर्भय पथिक

आराधनाय लोकानाम

मुंबई का प्रथम हिंदी सांध्य दैनिक

मूल्य 1रु.

संक्षिप्त समाचार

- इराक के बगदाद में विस्फोट , 28 की मौत और 73 घायल
- भारत में अब तक कुल 9,99,065 लोगों को लगा कोरोना वैक्सीन
- किसान आंदोलन के चलते हरियाणा के सभी पुलिसवालों की छुट्टियां रद्द
- देश के 12 राज्यों में बर्ड फ्लू के मामले, रोकथाम में जुटी सरकार
- यूक्रेन के नर्सिंग होम में लगी भीषण आग, 15 की मौत, 5 गंभीर
- फिर भूकंप के झटकों से थर्राया इंडोनेशिया, 6.8 मापी गई तीव्रता

पथिक संवाददाता

मुंबई,22 जनवरी : शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने गुरुवार, को 10वीं- 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस के मुताबिक, 12वीं की परीक्षा 23 अप्रैल से 29 मई तक आयोजित होगी। जबकि, 10वीं की परीक्षाएं 29 अप्रैल से 31 मई तक होंगी। आमतौर पर यह परीक्षाएं फरवरी- मार्च में आयोजित होती हैं, लेकिन इस साल कोरोना महामारी के कारण परीक्षाएं अप्रैल-मई में आयोजित की जा रही हैं।

थ्योरी परीक्षा के अलावा 12वीं के प्रैक्टिकल एग्जाम 01 से 22 अप्रैल के बीच और 10वीं के प्रैक्टिकल 09 से 28 अप्रैल के बीच आयोजित होंगे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि, ÷ 10वीं-12वीं की परीक्षा अप्रैल-मई के बीच आयोजित की जाएगी। जिसके बाद जुलाई-अगस्त के अंत तक 12वीं - 10वीं के परिणाम घोषित करने की कोशिश की जाएगी।

पथिक के स्तम्भकार अशोक वशिष्ठ कोरोना संक्रमित

पथिक संवाददाता

मुंबई,22 जनवरी : निर्भय पथिक के स्तंभकार, खरी खरी के रचनाकार व पूर्व प्राचार्य अशोक वशिष्ठ पत्नी सहित कोरोना संक्रमित हो गए हैं.इस से पहले उनके सुपुत्र चि. गौरव संक्रमित हुए।

उन्हें डॉक्टरों ने घर में ही कोरेण्टाइन कर दिया है।कालांतर में श्री वशिष्ट भी सपत्निक संक्रमित हो गए।दोनों को कल्याण के अस्पताल में भर्ती किया गया है।वे दोनों स्वास्थय लाभ कर रहे हैं। जबकि गौरव की विलगन अवधि समाप्त होकर स्वस्थ हो गए हैं।

डायनामाइट से भरे ट्रक में विस्फोट से दहला शिवमोगा

8 लोगों की मौत, सड़कें और इमारतों में दरार

शिवमोगा, 22 जनवरी : कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर शिवमोगा में गुरुवार देर रात हुए एक जोरदार विस्फोट में 8 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक शिवमोगा में जिलेटिन ले जा रहे एक ट्रक में धमाका हुआ, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी तेज आवाज और धरती का कंपन महसूस किया। शिवमोगा का ये विस्फोट कितना खतरनाक था, इसका अंदाजा आसपास के इलाकों की इमारतों और सडकों में पड़ी दरार से लगाया जा सकता है. विस्फोट से कई घरों के शीशे टूट गए हैं,छतें उड़ गयी हैं।

शिवमोगा के जिलाधिकारी शिवकुमार ने कहा है कि यह हुनासोडु गांव में एक रेलवे ऋशर साइट पर हुआ डायनामाइट का धमाका था, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो चुकी है। यह धमाका शिवमोगा शहर से करीब 5-6 किलोमीटर की दूरी पर हुआ था। अभी पुलिस मौके पर है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। इलाके में अभी आग

की लपटें उठ रही हैं और धुएं के कारण यहां पर जाना मुश्किल है। ऐसे में अधिकारी फिलहाल राहत कार्य के लिए यहां पर पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं, लेकिन पहले मौके की सही स्थिति का पता लगाया जा रहा है।शिवमोगा के बाहरी इलाके में हुए धमाके के कारण कई दुकानों के शीशे चटक गए। इसके अलावा आसपास के लोगों ने रात के वक्त ऐसी आवाज और धरती का हिलना सोचकर यह माना कि यह घटना भूकंप की है। हालांकि कुछ देर बाद इस बात का पता चला कि असल में ट्रक के धमाके के कारण यहां की धरती हिल गई थी।

बताया जा रहा है कि धमाका इतना तेज था कि पास की तमाम इमारतों के शीशे टूट गए। इसके अलावा कई मकानों की छत को भी नुकसान पहुंचा। धमाके के बाद स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और काफी देर तक इलाके में डर का माहौल बना रहा। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर 8 लोगों की मौत की सूचना मिली है। हालांकि शिवमोगा ग्रामीण के विधायक केबी अशोक नायक ने कहा कि जो ट्रक हादसे का शिकार हुआ है, उसमें एक दर्जन मजदूरों के होने की बात सामने आई है।कुछ लोगों का दावा है कि एक के बाद एक 50 डायनामाइट ब्लास्ट हुए। धमाके की वजह से आसपास के घरों के शीशे टूट गए। लोगों को लगा कि भूकंप आया, इसलिए लोग घबराहट में घरों से बाहर आ गए। विस्फोटक की गंध भी 8-10 किमी तक महसूस की गई। शिवमोगा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का गृह जिला है।

विदेशों में भी भारतीय वैक्सीन की मांग, 92 देशों में मेड इन इंडिया वैक्सीन के लिए किया संपर्क

नई दिल्ली,22 जनवरी : भारत में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद अन्य देशों में भी इसकी मांग जोर पकड़ने लगी है। स्थिति यह है कि दुनिया के 92 देशों ने मेड इन इंडिया वैक्सीन के लिए भारत से संपर्क किया है। इससे वैक्सीन हब के रूप में भारत की साख और मजबूत हुई है। पिछले शनिवार को कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद भारत में निर्मित टीकों के नगण्य साइड इफेक्ट देखे गए हैं।

इसे देखते हुए दुनिया के कई देशों की दिलचस्पी इनमें बढ़ी है। डोमिनिकन रिपब्लिक के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कोरोना वैक्सीन भेजने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि पूरी विनम्रता के साथ मैं आपसे वैक्सीन भेजने का अनुरोध करता हूं, ताकि हम अपने लोगों को महामारी से सुरक्षित कर सकें। इसके अलावा ब्राजील ने वैक्सीन लाने के लिए विशेष विमान भारत भेजा है। वहां के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर वैक्सीन भेजने का अनुरोध कर चुके हैं। इस बीच, बोलीविया की सरकार ने 50 लाख डोज कोरोना वैक्सीन के लिए सीरम इंस्टीट्यूट के साथ करार किया है। भारत सरकार सद्भावना के तौर पर नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार समेत कई पड़ोसी देशों को वैक्सीन भेज भी रही है।

सूचना

किन्ही अपरिहार्य तकनीकी अड़चनों के कारण फिलहाल निर्भय पथिक चार पृष्ठों का छप रहा है इसलिए कुछ नियमित स्तंभों का प्रकाशन हम नहीं कर पा रहे हैं.

हमारे पाठकों को हो रही असुविधा के लिए हमें खेद है. जल्द ही यह व्यवस्था ठीक हो जाएगी.

-संपादक

महाराष्ट्र सदन में पत्रकारों के लिए अलग जगह हो - सांसद बापट

विशेष संवाददाता

मुंबई,22 जनवरी : दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में आगामी दिनों में कई नयी चीजें देखने को मिल सकती है । संसद के बजट सत्र के मद्देनज़र महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में होने वाली सर्वपक्षीय सांसदों की बैठक में शामिल होने आये पुणे के सांसद गिरीश बापट ने बैठक के बाद मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस बैठक में रेलवे प्रोजेक्ट , भू संपादन की कार्रवाई , नेशनल हाई वे , महाराष्ट्र - कर्नाटक विवाद सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन के बारे में भी चर्चा हुई। महाराष्ट्र सदन लॉजिंग एंड बोर्डिंग हो गया है लोग आते हैं खाते हैं और चले जाते हैं। सांसद गिरीश बापट ने बताया कि अब महाराष्ट्र सदन में महाराष्ट्र के बारे में जानकारी देने के बारे में एक लायब्रेरी भी बनायी जाये । महाराष्ट्र सदन बौद्धिक दृष्टि , वैचारिक दृष्टि से निहित होनी चाहिए इसके मद्देनज़र तीन सांसदों की एक कमेटी नियुक्त की जाये। महाराष्ट्र सदन में ही इनफार्मेशन सेंटर हो। पत्रकारों के लिए वहां अलग से बैठने एवं पत्रकार परिषद के लिए अलग से व्यवस्था हो। वहां एक अच्छा अधिकारी नियुक्त किया जाये यह मांग इस बैठक में की गयी। इस दौरान दिल्ली जाने वाले मुंबई के मान्यता प्राप्त पत्रकारों ने भी उनसे अपने अनुभव सुनाये जिसमें नए महाराष्ट्र सदन में मान्यता प्राप्त पत्रकारों को भी रूम न मिलने की शिकायत शामिल थी। यहाँ तक कहा गया कि नए महाराष्ट्र सदन में पत्रकारों को रूम देने के बारे में इंकार या टालमटोल किया जाता है और पुराने महाराष्ट्र सदन में भेज दिया जाता है। यहाँ कमरा पाये शख्स को शराब पीकर आये अनजान आगंतुक के साथ कमरा शेयर करने की नौबत भी झेलनी पड़ी।

आज का राशिफल

पंडित अतुल शास्त्री
ज्योतिषाचार्य
9820819501,9594318403

मेष-तत्काल लाभ नहीं होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य में वृद्धि होगी। भाग्य की अनुकूलता रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष-पुराना रोग उभर सकता है। बड़े खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। समय पर व्यवस्था नहीं होगी। तनाव रहेगा। क्रोध न करें। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनहानि के योग । सावधानी रखें। प्रयास करें। विवेक से कार्य करें।

मिथुन-रुका हुआ धन मिल सकता है। कोई बड़े काम की योजना बनेगी। लाभ में वृद्धि होगी। घर-बाहर से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं में कमी होगी। सुख के साधनों पर बड़ा खर्च होगा. आलस्य हावी रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी।

कर्क-कीमती वस्तु गुम होने से तनाव। आय में निश्चितता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेवजह विवाद हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धैर्य रखें। बुरी खबर मिल सकती है।

सिंह-व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहत सहयोग करेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। नए मित्र बनेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। परिवार से सहयोग मिलेगा। काम से संतुष्टि होगी।

कन्या-थोड़े प्रयास से ही रुके काम बनेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यापार में बढ़ोतरी होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला-अज्ञात भय सताएगा। आय में वृद्धि । भेंट व उपहार की प्राप्ति के योग हैं। बेरोजगारी दूर होगी। विवेक से निर्णय लें। लाभ में वृद्धि । घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे।

वृश्चिक-बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। ईर्ष्यालु लोगों से सावधान रहें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि । पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

धनु-शत्रुओं का पराभव होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। व्यय बढ़ेगा। धनार्जन सहज होगा। व्यापारिक मतभेद दूर होंगे। लाभ में वृद्धि।

मकर-किसी भी कार्य का स्वयं निर्णय लें।। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आलस्य हावी रहेगा। अपने काम से काम रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। किसी बड़ी उलझन में पड़ सकते हैं।

कुंभ-समय पर काम बनने से प्रसन्नता रहेगी। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का मौका प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता रहेगी। आलस्य न करें। पुराना रोग उभर सकता है।

मीन-चोट व रोग से बाधा व हानि । कोर्ट व कचहरी के कार्य में अनुकूलता । पूजा-पाठ में मन लगेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विरोध होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दवा कंपनी में लगी रहस्यमय आग में 5 मजदूरों की मौत

पथिक संवाददाता

पुणे,22 जनवरी : देशभर में कोवीशील्ड कोरोना वैक्सीन मुहैया करा रहे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पुणे स्थित प्लांट में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। दोपहर 3 बजे प्लांट की इमारत में आग लग गई। आग को दमकल की 15 गाड़ियों की मदद से डेढ़ घंटे बाद बुझाया जा सका। बाद में जब रेस्क्यू टीम अंदर पहुंची तो 5 लोगों की लाश मिली। ये सभी मजदूर थे। शाम करीब सवा सात बजे यहां दोबारा आग लग गई, जिसे बुझाने में खासी मशक्कत हुई। रेस्क्यू टीम 9 लोगों को बचाने में कामयाब रही। सीरम के पुणे प्लांट में ही कोरोना से बचाव के लिए ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोवीशील्ड वैक्सीन बनाई जाती है। माना जा रहा है कि यहां शॉर्ट सर्किट या वेल्डिंग की वजह से हादसा हुआ। जिस जगह आग लगी, उसे सीरम का मंजरी प्लांट कहते हैं। यह जगह कोवीशील्ड वैक्सीन की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर है। इस वजह से कोवीशील्ड को नुकसान नहीं पहुंचा।

जिस इमारत में आग लगी, वहां पर टीबी से बचाव के इस्तेमाल होने वाली बीसीजी वैक्सीन बनती है। यहां ठेका मजदूर बिजली का काम करने आए थे। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने बताया कि सरकार ने इस हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

हादसे में जान गंवाने वालों में रमाशंकर और विपिन सरोज उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। सुशील पांडेय बिहार से यहां मजदूरी करने आए थे। महेंद्र इंगले और प्रतीक पशते पुणे के ही रहने वाले थे।

पुणे के मेयर मुरलीधर मोहोल ने भास्कर को बताया, 'मजदूरों की लाशें इमारत की ऊपरी मंजिल पर मिली हैं। आग लगने की वजह अभी साफ नहीं है। जिस इमारत में आग लगी, वहां वेल्डिंग का काम चल रहा था। हादसे की वजह यह भी हो सकती है।'

वैक्सीन का प्रोडक्शन नहीं रुकेगा : पूनावाला

सीरम के के प्रमुख अधिकारी अदार पूनावाला ने हादसे के बाद कहा, 'मैं सरकार और लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि कोवीशील्ड के प्रोडक्शन को इस हादसे से कोई नुकसान नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए हमने कई प्रोडक्शन बिल्डिंग तैयार कर रखी हैं। कोवीशील्ड का प्रोडक्शन नहीं रुकेगा। दुर्भाग्य से कुछ लोगों की जान इस हादसे में गई है। इसका हमें गहरा दुख है। हम परिजनों को 25-25 लाख रुपए की मदद देंगे।'

निर्माणाधीन इमारत में लगी आग - सांसद गिरीश बापट

विशेष संवाददाता

मुंबई,22 जनवरी : पुणे के मंजरी स्थित सीरम इंस्टिट्यूट में बीसीजी प्लांट में जहां गुरुवार को आग लगी वहां टीबी का टीका बनाया जाता था। इस इमारत का निर्माण कार्य जारी था इस आशय की जानकारी पुणे के सांसद गिरीश बापट ने गुरुवार को मुंबई में दी। जिस समय वे पत्रकारों से मुंबई में बात कर रहे थे उस समय वहां बचाव कार्य में लगे दमकल कर्मियों को इस भीषण आग में पांच शव मिल चुके थे. इस घटना स्थल का उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने दौरा किया। जबकि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई से हालात का जायज़ा लिया। एक अधिकारी के मुताबिक मांजरी स्थित सीरम कंपनी में बीसीजी प्लांट की इमारत की तीसरी मंजिल पर दोपहर पौने 3 बजे भीषण आग लगी। यह छह मंजिला इमारत थी। यह इमारत निर्माणाधीन है। इमारत का निर्माण कार्य जारी था . उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने घटना स्थल का दौरा किया और उन्होंने कहा कि कोविड प्रतिबंधक टीके और टीके के भण्डारण का आग लगने वाली इमारत से कोई संबंध नहीं है। कोविड लस पूरी तरह से सुरक्षित है। उपमुख्यमंत्री के मुताबिक आग लगने का कारण अस्पष्ट है और शुक्रवार को विशेषज्ञों की टीम द्वारा इसकी जाँच के बाद इसका कारण साफ़ हो सकेगा।

अभिनेत्री का यौन शोषण करनेवाला पायलट फरार

पथिक संवाददाता

मुंबई, 22 जनवरी : एक अभिनेत्री का यौन शोषण करनेवाला एयर इण्डिया का पायलट फरार हो गया है. फरार आरोपी के खिलाफ एक अभिनेत्री ने बलात्कार की शिकायत ओशिवारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. लेकिन काफी समय बीत जाने पर भी आरोपी पायलट .अक्षत सेठी को गिरफ्तार नहीं कर पायी है. कल पीड़िता के वकील ए के चौहान ने मीडिया को बताया कि इस बाबत उन्होंने पुलिस आयुक्त से मामले में दखल देते हुए कार्रवाई की मांग की है. जानकारी के मुताबिक पायलट सेठी वीरा देसाई रोड पर एक इमारत में रहता है. पुलिस उसके घर पर गयी थी लेकिन उसके घर बंद था. सेठी मूलतः भोपाल का रहनेवाला है. शक है कि वह गाँव भाग गया होगा.

सुशांत सिंह के नाम पर सड़क का नामकरण

नईदिल्ली,22 जनवरी : दक्षिणी दिल्ली के एंड्रयूज गंज में एक सड़क का नाम जल्द ही दिवंगत फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के नाम पर रखा जाएगा। इलाके के नगर निकाय ने इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आज सुशांत का 35वां जन्मदिन है। वह पिछले साल 14 जून को मुंबई के बांद्रा में अपने घर में मृत मिले थे। उनके प्रशंसकों ने सोशल मीडिया के जरिये अभिनेता को याद किया, जिनकी अचानक मौत होने का मामला काफी दिन चर्चा में रहा था। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एडीएमसी) में कांग्रेस पार्षद अभिषेक दत्त ने सितंबर 2020 में सड़क का नाम अभिनेता के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एसडीएमसी सदन ने कल अपनी बैठक में इसे मंजूरी दे दी।

रेल दुर्घटनाओं में मरे 378 लोगों की अब तक नहीं हो पाई पहचान

पथिक संवाददाता

मुंबई,22 जनवरी : कोरोना अवधि में रेल दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई लेकिन पिछले 6 वर्षों से रेलवे पुलिस के पास 378 शवों की पहचान नहीं हो पायी है.इन शवों की पहचान करना रेलवे पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है. ये सभी मामले वसई रोड रेलवे पुलिस स्टेशनके दुर्घटनाओं के शिकार लोगों की है। पिछले छह वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में मरने वाले 378 लोगों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, वसई रोड रेलवे पुलिस के समक्ष मृतकों की पहचान करने का कार्य चल रहा है।बता दें कि वसई रोड रेलवे पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर वैतरणा और मीरा रोड के बीच कुल आठ रेलवे स्टेशन हैं। इन पुलिस स्टेशनों की सीमा के भीतर विरार, नालासोपारा, भाइंदर, मीरा रोड सबसे व्यस्त स्टेशन हैं। शहर की बढ़ती आबादी के साथ, यात्रियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। बढ़ती भीड़ यात्रा को और खतरनाक बना रही है। इससे कई तरह के हादसे हो रहे हैं। रेल लाइन पार करने, लोकोमोटिव में भीड़भाड़ के कारण गिरने और ओवरहेड तार की चपेट में आने से यात्रियों की मौतें बढ़ गई हैं।रेलवे दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के कारण 2015 में 74,2016 में 80, 2017 में 75,2018 में 70,2019 में 47और 2020 के 32 शवों की पहचान नहीं हो पायी है.

वर्गीकृत विज्ञापन

डीटीपी के लिए संपर्क करें
समाचार पत्रों पुस्तकों व पत्रिकाओं के डीटीपी कार्य के लिए संपर्क करें.
निर्भय पथिक
४३/१३ नागूजी सेठ निवास, प्रथमेश टावर के सामने, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग, नायगांव, दादर पूर्व, मुंबई - १४. फोन-२४१५३७८४, ९८६९०२२७८७

अनुवाद कार्य

अंग्रेजी/गुजराती/मराठी से हिंदी में अनुवाद के लिए संपर्क करें.
निर्भय पथिक
४३/१३ नागूजी सेठ निवास, प्रथमेश टावर के सामने, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग, नायगांव, दादर पूर्व, मुंबई - १४. फोन-२४१५३७८४, ९८६९०२२७८७,३२२०१२६०

रोजगार

डीटीपी ऑपरेटर चाहिए
पनवेल स्थित परम प्रिंटिंग प्रेस में डीटीपी ऑपरेटर चाहिए. संपर्क करें : ७२०८१५७७०५

डीटीपी ऑपरेटर चाहिए
मुंबई के प्रकाशन संस्थान को अंग्रेजी, मराठी, हिंदी डीटीपी ऑपरेटर की जरूरत है.
पेजमेकर, कोरल आदि का ज्ञान जरूरी
संपर्क - ९८११६५११६५६

स्टार हेल्थ कंपनी के दादर शाखा हेतु विविध पदों के लिए अनुभवी/बिनअनुभवी युवक/युवती चाहिए. स्थायी और आकर्षक पगार, निशुल्क, ४१८६८७० /२४१७०४९५

इलेक्ट्रीशिअन्स,लिफ्ट इरेक्टर्स, वेल्डर्स चाहिए. स्वाती सागर इंडस्ट्रिअलइस्टेट माजीवाडा नाका, ठाणे.
संपर्क-९८२१५०३७७३

घाटकोपर में टूरिस्ट गाड़ियों के लिए अनुभवी ड्रायवर चाहिए. इच्छुक घाटकोपर (पूर्व/पश्चिम), चेंबूर, कुर्ला (पूर्व/पश्चिम) के आसपास रहनेवाले ३ से ५ इस समय संपर्क करें.

निर्भय पथिक

वर्गीकृत विज्ञापन
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
दर -१००रु. प्रति २५ शब्द

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
फोन - २२२०१२६०
फैक्स २४१५३७८४,
२५२१५७१८,

अमृतवाणी

जो व्यक्ति सबसे नम्रता के साथ तालमेल बनाये रख सकता है वह महान है.

स्व. बाबा हरदेव सिंह जी महाराज

संपादकीय

सुरक्षित हो सड़क यात्रा

हमारे देश में 2019 में लगभग 4.81 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं, जिनमें 1.51 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई थी. मौतों की रोजाना औसत 415 है. ऐसे हादसों से भारत में सबसे सबसे अधिक मौतें होती हैं. इसके बाद चीन और अमेरिका का स्थान है, किंतु हताहतों की संख्या के मामले में उन देशों की स्थिति बेहतर है. यातायात को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से सरकारों द्वारा अनेक प्रयास किये हैं. हालांकि अपेक्षित परिणामों में अभी देरी है, लेकिन चार सालों में सड़क हादसों में होनेवाली मौतों की संख्या में करीब 54 फीसदी की कमी कर तमिलनाडु ने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है. बीते साल लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों की वजह से दुर्घटनाओं में बड़ी कमी आयी है, किंतु तमिलनाडु में यह बेहतरी लगातार दर्ज की जा रही है. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रेखांकित किया है कि सड़कों पर लोगों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करने के काम को तेज करने की जरूरत है. उन्होंने उम्मीद जतायी है कि 2050 तक दुर्घटनाओं और उनसे होनेवाली मौतों को 50 फीसदी कम कर दिया जायेगा.

दुर्घटनाओं के कारणों की सटीक पहचान करने, घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए 13 मिनट के भीतर घटनास्थल पर एंबुलेंस पहुंचाने, दुर्घटना की जगह की समुचित मरम्मत करने तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के तमिलनाडु मॉडल को देशभर में अपनाने की जरूरत है. केंद्रीय सड़क यातायात मंत्रालय और विश्व बैंक द्वारा इन तौर-तरीकों के प्रचार-प्रसार का निर्णय स्वागतयोग्य है. यदि सही समय पर घायलों को उपचार मिल जाये, तो कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है.

कई जगहें ऐसी होती हैं, जहां सड़क निर्माण के मानकों का ठीक से पालन नहीं किया जाता है और इंजीनियरिंग के कायदों को नजरअंदाज किया जाता है. उन जगहों पर दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है. तमिलनाडु में विभिन्न पहलुओं पर ध्यान दिया गया है, तभी मौतों में कमी आयी है. गडकरी ने ठीक ही कहा है कि यदि हम 2030 की प्रतीक्षा करेंगे, तो कम-से-कम छह-सात लाख लोगों की जानें जा सकती हैं. अगर तमिलनाडु यह उपलब्धि चार सालों में हासिल कर सकता है, तो अन्य राज्य भी दुर्घटनाओं व मौतों में कमी कर सकते हैं.

केंद्र सरकार वैसी जगहों की पहचान करने के लिए 14 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी, जहां हादसों की आशंका होती है. हाल में लागू संशोधित वाहन कानून का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य हादसों की रोकथाम है. यातायात नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए कठोर दंड का प्रावधान एक जरूरी कदम है. हमारे देश में 85 फीसदी यात्री सड़क से यात्रा करते हैं और 65 फीसदी माल की ढुलाई भी इसी के जरिये होती है. ऐसे में हादसों से आर्थिकी भी प्रभावित होती है. सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता का प्रसार भी जरूरी है. सरकार व प्रशासन के साथ यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यातायात को सुरक्षित बनाने में योगदान करे.

प्रसंगवश

राजकुमार सिंह

क्या आक्रामक राहुल कांग्रेस को बदल पायेंगें

मंगलवार को हुई प्रेस कान्फ्रेंस में राहुल गांधी के आक्रामक तेवर यही इशारा कर रहे हैं कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की कमान एक बार फिर यही पुराने अध्यक्ष संभालने जा रहे हैं। बेशक राहुल के इस्तीफे के बाद कांग्रेस की कमान संभालने वाली सोनिया गांधी भी पूर्व अध्यक्ष ही हैं, लेकिन बीच में इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा था कि शायद कांग्रेस नेहरू परिवार से बाहर नेतृत्व की तलाश करे। हालांकि नेतृत्व के प्रश्न पर सोनिया या राहुल ने अभी तक स्पष्ट कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन घटनाक्रम के इशारे वही संकेत दे रहे हैं, जो कांग्रेस के मीडिया विभाग के राष्ट्रीय प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला कह चुके हैं कि राहुल गांधी ही पार्टी के नये अध्यक्ष होंगे। बेशक राजनीतिक दल निजी कंपनी की तरह नहीं चलाये जाने चाहिए, पर सच तो यही है कि कमोबेश सभी दलों में नेतृत्व संबंधी फैसले परदे के पीछे चंद लोग ही करते हैं। हां, बाद में उस पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मुहर लगाने की औपचारिकता अवश्य निभा दी जाती है।

देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस की देश के स्वतंत्रता संग्राम में भी सक्रिय भूमिका रही। उस समय के कांग्रेस के कद्दावर नेताओं की फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है, लेकिन एक बार नेहरू परिवार के दायरे में सिमट जाने के बाद वहां जनाधार वाले नेता न तो टिक पाये और न ही पनप पाये। बेशक इस बीच इंदिरा गांधी ने कांग्रेस विभाजन के बावजूद प्रचंड बहुमत हासिल कर तथा 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की शर्मनाक पराजय एवं विभाजन से बंगलादेश के रूप में एक नये देश के उदय से अपना करिश्माई नेतृत्व साबित किया, लेकिन उसके बाद तो कांग्रेस और भी नेता विशेष- परिवार विशेष के दायरे में सिमट गयी। परिणामस्वरूप कांग्रेस में जनाधार वाले स्वाभिमानी नेताओं के बजाय दरबारी संस्कृति में पारंगत जी हुजूर ही ज्यादा रह गये। कहना नहीं होगा कि अंततः यही दरबारी संस्कृति कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति बन गयी। राजीव गांधी ने जब कांग्रेस को सत्ता के दलालों से मुक्त कराने की बात कही थी तो लगा था कि राजनीतिक अनुभव की कमी के बावजूद इस युवा को अपनी पार्टी की विकृतियों का अहसास है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वह इनका निदान कर पाने के बजाय खुद उसी संस्कृति के बंधक बन कर रह गये। शायद दरबारी संस्कृति का शिकंजा इतना मजबूत था कि उसने नेता तक को उससे नहीं निकलने दिया। दरअसल पहले सोनिया गांधी और फिर राहुल गांधी को दरबारी संस्कृति में जकड़ी वही कांग्रेस मिली। सच यही है कि इंदिरा गांधी के अंतिम वर्षों से ही कांग्रेस एक राजनीतिक दल से सत्ता तंत्र में तब्दील होती गयी है। जब तक देश की राजनीति परंपरागत ढर्रे पर चलती रही, कांग्रेस की यथास्थितिवादी रीति-नीति अपनी गति से चलती रही, लेकिन पिछले दो दशकों में हालात बदले हैं। गिनती के लिए देश में चाहे जितनी बार भी गैर कांग्रेसी सरकारें बनी हों, पर चरित्र और वैकल्पिक सोच की दृष्टि से देखें तो ऐसा पहला परिवर्तन 1977 में हुआ और दूसरा 1998 में। आपातकाल के बाद 1977 में बनी जनता पार्टी की सरकार भले ही अपने दिग्गजों के बीच अहं और सत्ता महत्वाकांक्षाओं के टकराव की भेंट चढ़ गयी हो, पर उसके अल्प कार्यकाल में भी लिये गये जनहितकारी फैसले मिसाल हैं।

दूसरा परिवर्तन थोड़ा ज्यादा चला। हालांकि 1996 में तेरह दिनों में विदा हो गयी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार 1998 में लगभग 13 महीने चली, लेकिन उसके बाद उसे दूसरा कार्यकाल भी मिला। उस सत्ता परिवर्तन में भी लोगों को व्यवस्था परिवर्तन का अहसास हुआ। यह अलग बात है कि अपने सिपहसालारों के इंडिया शाइनिंग जुमलों में फंस कर वाजपेयी जी समय से चंद महीने पहले ही लोकसभा चुनाव करा बैठे। इंडिया शाइनिंग की हकीकत अपेक्षाकृत नौसिखिया राजनेता सोनिया गांधी द्वारा बिछायी गयी बिसात पर कांग्रेस नीत संप्रग के केंद्र में सत्तारूढ़ होने के रूप में सामने आयी। सोनिया ने सरकार की...

शेष पृष्ठ 4 पर

ज्योतिष

हथेली में त्रिशूल चिन्ह शुभदायक

हाथ में मंगल बहुत ही महत?वपूर्ण क्षेत्र माना गया है। यह व्यक्ति के जीवन में

साहस और पराक्रम को दर्शाता है। इस पर बने कई चिन्ह व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं। इनमें से ही एक है त्रिशूल। हाथ में त्रिशूल का निशान होना बहुत ही भाग्यशाली माना गया है। इसका मतलब होता है कि व्यक्ति को बेहद देर से और कठोर परिश्रम के बाद अत्यधिक धन की प्राप्ति होगी। मंगल के ऊपरी पर्वत पर त्रिशूल हो तो व्यक्ति सफल एथलीट और पुलिस अधिकारी होता है।

यदि किसी व्यक्ति के शुक्र पर्वत पर त्रिशूल हो तो इसका मतलब है कि उसे जीवन में सच्चा प्यार मिलेगा। ऐसा व्यक्ति दूसरों की भावनाओं को समझने वाला होता है। वह दूसरों के अच्छे कामों की प्रशंसा भी करता है।

चंद्र पर्वत पर त्रिशूल का होना व्यक्ति को कल्पनाशील और रचनात्मक बनाता है। ऐसे व्यक्ति रोमांटिक प्रकृति के होते हैं। यदि हृदय रेखा के अंत में त्रिशूल का निशान है तो यह भाग्य की निशानी है। जब यह निशान बृहस्पति पर्वत के नीचे हो तो और भी शुभ फल प्रदान करता है। ऐसे लोग अन्य लोगों की तुलना में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से ज़्यादा मज़बूत होते हैं। पैसे वाले लोगों के हाथों में यह निशान देखा जा सकता है।

मनोरंजन

ऋतिक रोशन की फिल्म कृष -4 जल्द

2019 की दो सुपर हिट फिल्म 'सुपर-30' और 'वॉर' के बाद रितिक रोशन की कोई फिल्म अभी तक शूटिंग फ्लोर पर नहीं आई। अब खबर है कि उनके पिता फ़िल्मकार राकेश रोशन अपनी फ्रेंचाइची फिल्म 'कृष-4' जल्द शुरू करेंगे। रितिक के अलावा बाकी कास्ट फाइनल नहीं हुई है। चर्चा यह भी है कि मुख्य विलेन की मुख्य भूमिका भी रितिक के हिस्से आई है। यानी दो रितिक आमने-सामने होंगे। एक वक्त में एक ही फिल्म करने वाले रितिक का पूरा ध्यान इस समय 'कृष-4' की तरफ ही है। इसके अलावा यशराज की अगली फिल्म के लिए भी उन्होंने सहमति दी है। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने जिम में खूब पसीना बहाया। असल में 'कृष-4' के लिए उनकी यह प्राथमिक तैयारी थी। 'कृष-4' पूरी तरह से एक्शन पैक्ड फिल्म है। वह चुपचाप इसकी तैयारी में लगे रहे। इस खामोशी के पीछे का एक दूसरा सच यह है पिछले साल के कुछ अनुभवों से सीख लेकर अब वह किसी भी तरह की लोकप्रियता से खुद को दूर रखना चाहते हैं।

कृति को पसंद है रंगीन रहना

जब से अभिनेत्री कृति सेनन ने यह खबर सुनी है कि राकेश रोशन की बिग बजट 'कृष-4' की हीरोइन कियारा आडवाणी होंगी, उन्होंने अपना ध्यान दूसरी तरफ केंद्रित कर लिया है। निर्माता दिनेश विजन की अगली अनाम फिल्म को लेकर वह बहुत उत्साहित हैं। इसकी शूटिंग जल्द शुरू होगी। अभी कृति का सारा ध्यान 'मिमी' पर है। ओटीटी पर जारी इस फिल्म की रिलीज डेट अभी जारी नहीं हुई है। पंकज त्रिपाठी के साथ इसमें उनकी मुख्य भूमिका है। वह इसमें एक सरोगेट मदर का रोल कर रही हैं। बहरहाल चार्टर्ड अकाउंटेंट पिता और प्रोफेसर मां की बेटी कृति भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर चुकी हैं। इसलिए वह खुद भी अपने करियर का प्लान बदलती रहती हैं। उनका निजी जीवन बहुत रंगीन है। इसलिए किसी तरह की अपसेटिंग बातें उन्हें परेशान नही करती हैं। अपने जीवन में रंगों को लेकर बहुत सचेत हैं। उनके पसंदीदा रंग सफेद, काला और लाल हैं। इसके अलावा भी वह अपनी ड्रेस के रंगों का चयन बहुत सावधानी से करती हैं। पिछले दिनों वह एक इवेंट में गौरी और नयनिका द्वारा डिजाइन किये गये पेस्टल हरे रंग के गाउन में सबके आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। दिल्ली की लड़की कृति सेनन खुद को फैशनेबल रखना चाहती हैं।

स्वास्थय चर्चा

सेहत के लिए फायदेमंद है मखाना

पानी के अंदर उपजनेवाला मखाना एक ऑर्गेनिक खाद्य हैं। भारत के खासतौर पर पूजा-पाठ व व्रत में मखानों को शामिल किया जाता है। मगर इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने के शरीर को बेहद फायदा मिलता है। पानी में उगने के कारण इसपर केमिकल फर्टीलाइजर का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं होता है। ऐसे में यह पूरी तरह से ऑर्गेनिक फूड कहलाता है। भारत देश में करीब 80 प्रतिशत मखानों की खेती बिहार के मिथिलांचल जगह पर की जाती है। इसके बीजों पर ग्रेडिंग भी इनके साइज के हिसाब से होती है। बात इसकी खेती की करें तो भारत के साथ चीन, रूस, जापान और कोरिया में होती है।

डायबिटीज रखे कंट्रोल

इसके सेवन से डायबिटीज कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। ऐसे में शुगर के मरीजों को खासतौर पर इसे अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।

दिल रखे स्वस्थ

इसमें फैट कम होने से कोलेस्ट्रॉल कम रहने के साथ ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहने के साथ हार्ट अचैक आने व इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम रहता है।

पाचन क्रिया करे मजबूत

इसके सेवन के पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ पेट दर्द, कब्ज, एसिडिटी आदि की परेशानी दूर होती है। साथ ही खाने में हल्का होने से यह जल्दी पच जाता है।

तनाव करे कम

एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर मखाना शारीरिक व मानसिक विकास में मदद करता है। इसके सेवन से दिमाग का बेहतर विकास होने के साथ तनाव कम होने में मदद मिलती है।

ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल

मखानों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है। ऐसे में इसके सेवन से ब्लड प्रेशर नियंत्रण में रहता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

आज हुए चुनाव तो राजग को मिलेगी 321 सीटें

अकेले के दम पर सरकार बनाएगी भाजपा

76 फीसदी लोगों ने जताया कोरोना वैक्सीन पर भरोसा

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली,22 जनवरी : आज चुनाव हुए तो प्रधानमंत्री मोदी की अगुआई में एनडीए को 43 फीसदी शेयर वोट और 321 सीटें मिल सकती है। अकेली भाजपा 291 सीटें जीत सकती है। किसान आंदोलन के समय 3-से 13 जनवरी के बीच इंडिया टुडे की ओर से किए गए इस सर्वे में अधिकतर लोग कृषि कानूनों पर सरकार के साथ दिखते हैं तो वैक्सीन को लेकर सरकार के काम कामकाज से भी खुश हैं।

सर्वे के मुताबिक, आज चुनाव हुए तो 43 फीसदी लोग एनडीए के साथ हैं तो 27 फीसदी ने कहा कि वे यूपीए गठबंधन को वोट देते वहीं 30 फीसदी वोट अन्य के खातों में जाते दिख रहे हैं। इसे यदि सीटों में कनवर्ट किया जाए तो 321 सीटें एनडीए को मिल सकती हैं तो यूपीए के खाते में 93 सीटें जाती दिख रही हैं, जबकि 129 सीटें अन्य को मिलती।

इस सर्वे में 34 फीसदी लोगों ने कृषि कानूनों को किसानों के लिए मददगार बताया है। वहीं, 32 फीसदी लोगों का कहना है कि इससे उद्योगपतियों को फायदा होगा। वहीं, 25 फीसदी लोगों का कहना है कि दोनों को फायदा होगा। इसी मुद्दे पर जब लोगों से सवाल पूछा गया कि किसान आंदोलन कैसे रुकेगा? 55 फीसदी लोगों ने कहा कि कृषि कानूनों में सुधार हो, जबकि केवल 28 फीसदी इस पक्ष में है कि कृषि कानून वापस हों। 10 फीसदी लोगों का माना है कि सरकार कुछ ना करे। किसान आंदोलन पर सरकार के रुख को भी अधिकतर लोग ठीक मानते हैं। 16 फीसदी लोगों ने बहुत अच्छा और 39 फीसदी ने अच्छा बताया है, जबकि 25 फीसदी ने संतोजनक बताया है, केवल 16 फीसदी लोगों ने सरकार के रुख को खराब और बहुत खराब बताया है।

क्या लव जेहाद धर्म परिवर्तन की साजिश है? 54 फीसदी लोगों ने इसका जवाब हां में दिया, जबकि 36 फीसदी लोग इसका जवाब ना में देते हैं। वेब सीरीज तांडव को लेकर मचे बवाल के बीच लोगों से यह सवाल भी किया गया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म को सेंसर किया जाए या नहीं? इसके जवाब में 49 फीसदी लोगों ने हां में जवाब दिया जबकि 26 फीसदी चाहते हैं कि सेंसरशिप लागू ना की जाए।

सर्वे में वैक्सीन और कोरोना से इकॉनमी पर असर को लेकर भी सवाल किए गए और उनका मूड भांपने की कोशिश की गई है। क्या कोरोना वैक्सीन लगवाएंगे? इस सवाल के जवाब में 76 फीसदी लोगों ने कहा है कि उन्हें वैक्सीन पर भरोसा है और टीका लगवाएंगे, जबकि 21 फीसदी लोगों ने नहीं में जवाब दिया। 92 फीसदी लोग चाहते हैं कि वैक्सीन फ्री में मिले जबकि 07 फीसदी लोगों ने नहीं में जवाब दिया।

जब लोगों से पूछा गया कि कोरोना पर प्रधानमंत्री का काम कैसा है तो 23 फीसदी लोगों ने इसे बहुत अच्छा बताया तो 50 फीसदी ने अच्छा बताया। 18 फीसदी औसत मानते हैं जबकि 08 फीसदी लोगों ने सरकार के काम को खराब बताया है।

कोरोना से अर्थव्यवस्था पर असर को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में 66 फीसदी लोगों ने कहा कि उनकी आमदनी घटी है। 19 फीसदी ने कहा कि उनकी नौकरी छिन गई है, जबकि 12 फीसदी ने कहा कि कोई बदलाव नहीं आया है।

मीडिया समूह की ओर से बताया गया है कि इस सर्वे में कुल 12,232 लोगों ने हिस्सा लिया। 19 राज्यों के 97 लोकसभा क्षेत्रों और 194 विधानसभा क्षेत्रों से लोगों से सवाल पूछे गए थे।

संसद के बजट सत्र के मद्देनज़र सांसदों की बैठक

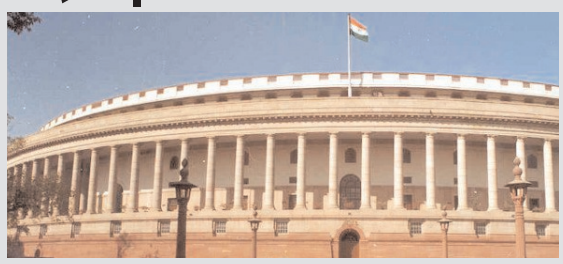

विशेष संवाददाता

मुंबई,22 जनवरी : संसद के बजट सत्र के मद्देनज़र महाराष्ट्र के लोकसभा और राज्य सभा सांसदों की बैठक गुरुवार को मलबार हिल स्थित सह्याद्रि गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कोरोना के मद्देनज़र सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए इस बैठक को दो बार में पूरा किया गया। इस सर्वपक्षीय सांसदों की बैठक में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सांसदों से अपील की सभी सांसद पार्टीगत अंतर को भूल कर राज्य के प्रलंबित प्रश्नों के बारे में केंद्र सरकार को खानापूर्ति करें एवं सांसदों के जो प्रश्न राज्य सरकार के पास हैं उस बारे में विभाग निहाय बैठक ली जाये। मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि राज्य सरकार के पास सांसदों के प्रलंबित विषयों पर रास्ता निकाला जायेगा। विभाग और विषय के अनुसार सांसदों की समितियां स्थापित करके विभिन्न मुद्दों की खानापूर्ति की जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को सांसदों से अपेक्षा है। राज्य की जनता का प्रतिनिधित्व करते हुए उसे जनता के हित के प्रश्नों प्रधानता पर रखकर उसका निदान किया जाना चाहिए। दिल्ली के महाराष्ट्र सदन का कामकाज अधिक सुधरे इसके लिए सांसदों की एक समिति स्थापित की जानी चाहिए। जनता का हित देखते समय वह तात्कालिक न होते हुए दूरगामी परिणाम वाला होना चाहिए ऐसा दृष्टिकोण रखकर सभी काम करें। मुंबई आने पर सांसदों को रहने के लिए नए मनोरा आमदार निवास में फ़िलहाल दस रूम की व्यवस्था किये जाने के बारे में भी मुख्यमंत्री ने जानकारी दी। महाराष्ट्र - कर्नाटक सीमा विवाद के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में सरकार किसी भी पार्टी की हो तो भी उनकी भूमिका एक जैसी रहती है। हमें भी एकजुट रहकर सीमा विवाद को हल करने का प्रयत्न करना चाहिए। इसके लिए सर्वपक्षीय सांसदों के प्रतिनिधि मंडल को प्रधानमंत्री से मुलाकात करने की अपील उन्होंने सांसदों से की।

महफिल

हृदय की अनकही बातें कभी जब लब पर आती हैं
स्वरों में कम्पन होती है. स्वयं पलकें झुक जातीं हैं।
कहीं भी दिल नहीं लगता मिलन की तीस सताती है
कभी जब तन्हाई मे. किसी की याद आती है।

- मयंक

खरी-खरी

सिसक-सिसक कर रो रहे, मियां नसीमुद्दीन
मंगा रहे हैं जेल में, ठर्रा अरु नमकीन
ठर्रा अरु नमकीन, डरा-सहमा अंसारी
रोवें आजम खान,भूमि ले ली क्यों सारी
कह सुरेश मिमियाइ रहे हैं अतीक भइया
योगी युग में डॉन नाचते ता-ता थइया।

- सुरेश मिश्र

क्या आक्रामक राहुल... पृष्ठ 3 से....

कमान नहीं संभाली और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया, लेकिन सच यही है कि सरकार उनके ही साये में चली और यथास्थितिवादी राह पर भी। पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्वकाल में मनमोहन सिंह ने बतौर वित्त मंत्री जिन आर्थिक सुधारों का श्रीगणेश किया था, अपने प्रधानमंत्रित्व काल में उन्हें भरपूर गति भी दी। इसके बावजूद संप्रग सरकार जन आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरी, यह वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम से साबित हो गया, जब तीन दशक के अंतराल के बाद किसी अकेले दल के रूप में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और कांग्रेस महज 44 सीटों पर सिमट गयी। बेशक सरकार भाजपा ने राजग के घटक दलों के साथ मिल कर ही बनायी।

नरेंद्र मोदी के पहले प्रधानमंत्रित्व काल को लेकर राजनीतिक प्रेक्षकों और आर्थिक जानकारों की अलग-अलग राय हो सकती है, लेकिन वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पहले से भी अधिक सीटों का मिलना इस बात का प्रमाण है कि तमाम किंतु-परंतु के बावजूद मोदी की साख बरकरार रही तो कांग्रेस अपनी खोयी साख पाने में नाकाम। कांग्रेस इस बार 52 सीटों तक ही पहुंच पायी। तभी चौतरफा आलोचनाओं के बीच हताश राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर नेहरू परिवार के बाहर से अध्यक्ष चुनने की नसीहत दी थी। यह इतना आसान नहीं था। इसलिए भी दरबारियों ने फिर से सोनिया गांधी को ही, अंतरिम अध्यक्ष के रूप में, कमान सौंप दी। तब से लगभग डेढ़ साल गुजर गया। कांग्रेस के सुधारकों ने सोनिया को सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक लोकतंत्र के लिए पत्र भी लिखा, राहुल की वापस ताजपोशी का कोरस भी बीच-बीच में गूंजता रहा, पर कांग्रेस जहां की तहां बनी रही। हां, इस बीच वह अपनी मध्य प्रदेश सरकार भी भाजपा के हाथ गंवा बैठी, जो उन तीन राज्यों में से एक है, जहां राहुल के अध्यक्ष काल में कांग्रेस ने भाजपा से सत्ता छीनी थी।

पिछले साल के आखिर में ही संकेत मिलने लगे थे कि पुराने अध्यक्ष राहुल गांधी ही कांग्रेस के नये अध्यक्ष भी होंगे। मंगलवार को राहुल ने जिस आक्रामक अंदाज में मोदी सरकार पर हमला बोला है, उससे भी यही संकेत मिलता है कि वह पुन- कांग्रेस की कमान संभालने को तैयार हो गये हैं। शायद मौजूदा हालात में कांग्रेस के लिए यही बेहतर भी हो, पर क्या इससे कांग्रेस की दशा-दिशा बदल पायेगी? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांग्रेस लंबे समय तक जस की तस नहीं रह पायेगी। कांग्रेस को खुद को नये सिरे से परिभाषित करते हुए मौजूदा राजनीति में अपनी प्रासंगिकता साबित करनी होगी, वरना वह इतिहास में दर्ज होकर रह जायेगी। ऐसे में सिर्फ मोदी सरकार के विरुद्ध राहुल गांधी की आक्रामकता से कांग्रेस की मुश्किलें कम नहीं हो जायेंगी। दरअसल वर्ष 2019 में अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से ही राहुल लगातार आक्रामक होते गये हैं, पर उससे कांग्रेस की दशा-दिशा नहीं सुधरी। विपक्ष के नेता के नाते सरकार के विरुद्ध आक्रामकता में रणनीतिक रूप से कुछ भी गलत नहीं है, पर राहुल को यह समझना होगा कि ठोस वास्तविक तथ्यों पर आधारित आक्रामकता ही कारगर होती है, और वह भी तब, जब आपके दल में उसका पूरा लाभ उठाने की सामर्थ्य हो, वरना तो वह आत्मघाती भी साबित हो सकती है।

मोदी दूसरे चरण में लगवाएंगें कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली, 22 जनवरी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टीकाकरण के दूसरे चरण में कोरोना वैक्सीन लगवा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के साथ मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक आदि भी वैक्सीन लगवाएंगे।देश में अभी कोरोना टीकाकरण का पहला चरण चल रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही फ्रंट लाइन वर्कर्स को वैक्सीन लगाई जा रही है। इस चरण में लोगों में वैक्सीन को लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिख रहा है। इसके लिए अफवाहों और कुछ नेताओं के बयानों को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के वैक्सीन लगाने की पहल को लोगों में विश्वास जगाने की कवायद माना जा रहा है। दूसरे चरण को लेकर प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि इसमें 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि दूसरा चरण कब शुरू होगा। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कोरोना टीकों के सुरक्षित और प्रभावी होने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि टीका लगवाने से लोग संक्रमण से अपना बचाव कर सकेंगे और कुछ समय में यह महामारी जड़ से खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'विडंबना है कि दूसरे देश हमसे टीके मांग रहे हैं, वहीं हमारे देश में ऐसा वर्ग है जो संकीर्ण राजनीतिक फायदों के लिए गलत जानकारी फैलाकर संदेह पैदा कर रहा है।'

सिटीजंस कम्युनिकेशन मुंबई के स्वामित्व में प्रकाशक-मुद्रक सतीश सिन्नरकर द्वारा एस्कार्ट इंजीनियर्स (प्रटिंग प्रेस), 302 वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई-31 से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक - अश्विनीकुमार मिश्र, संपादकीय कार्यालय : 43 / 13 नागूजी सेठ निवास, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग, दादर पूर्व, मुंबई-14. फोन-24153784, संस्थापक - स्वर्गीय श्री वेदप्रकाश गोयल, आरएनआई नंबर 40047 / 84